Important News: India

1. प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में WHO ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की आधारशिला रखी

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19 अप्रैल 2022 को गुजरात के जामनगर में मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के महानिदेशक डॉ टेड्रोस घेब्रेयसस की उपस्थिति में **WHO ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (GCTM)** की आधारशिला रखी।
- प्रधानमंत्री ने बनासकांठा जिले के दियोदर में एक नया डेयरी कॉम्प्लेक्स और आलू प्रसंस्करण संयंत्र राष्ट्र को समर्पित किया। नया डेयरी कॉम्प्लेक्स एक ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट है।

प्रमुख बिंदु

WHO ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (GCTM) के बारे में:

- GCTM दुनिया भर में पारंपरिक चिकित्सा के लिए पहला और एकमात्र वैश्विक आउटपुट केंद्र होगा।
- यह वैश्विक कल्याण के अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में उभरेगा।
- यह डेटा, नवाचार और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करेगा और पारंपरिक चिकित्सा के उपयोग का अनुकूलन करेगा।

नोट: 2016 में, आयुष मंत्रालय ने पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के साथ एक PCA (परियोजना सहयोग समझौता) पर हस्ताक्षर किए थे।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

2. क्वांटम कंप्यूटिंग पर एक इंडो-फिनिश वर्चुअल नेटवर्क सेंटर

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारत के दौरे पर फिनलैंड के आर्थिक मामलों के मंत्री मीका लिंटिला ने केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, डॉ जितेंद्र सिंह से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने **क्वांटम कंप्यूटिंग पर एक इंडो-फिनिश वर्चुअल नेटवर्क सेंटर** स्थापित करने के निर्णय की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत ने क्वांटम कंप्यूटिंग पर वर्चुअल नेटवर्क सेंटर के लिए तीन प्रमुख संस्थानों जैसे IIT मद्रास, IISER पुणे और C-DAC पुणे की पहचान की है।
- भारत फिनलैंड R&D संस्थानों के साथ अनुसंधान सहयोग विकसित करने और फिनिश उद्योग के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग विकसित करने का इच्छुक है, विशेष रूप से निम्नलिखित प्रौद्योगिकी डोमेन और क्वांटम कंप्यूटिंग के क्षेत्रों जैसे सतत ऊर्जा प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और स्वच्छ प्रौद्योगिकी, जैव आधारित अर्थव्यवस्था, बायोबैंक और विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए जैव आधारित सामग्री, जल और समुद्री प्रौद्योगिकी, खाद्य और कृषि प्रौद्योगिकियां, वहनीय स्वास्थ्य देखभाल, उन्नत विनिर्माण के लिए प्रौद्योगिकियां, AI और मशीन का एकीकरण सभी डोमेन में सीखना आदि क्षेत्रों में ध्यान केंद्रित कर रहा है।

नोट: भारत और फिनलैंड दोनों अंटार्कटिक संधि के सलाहकार सदस्य हैं और अंटार्कटिका में उनके सक्रिय स्टेशन हैं। फिनलैंड 2023 में और 2024 में भारत **अंटार्कटिक संधि सलाहकार बैठक (ATCM)** की मेजबानी करेगा।

स्रोत: द हिंदू

3. राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा घटना प्रतिक्रिया अभ्यास (NCX इंडिया)

चर्चा में क्यों?

- **राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय** ने भारत की साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में सरकारी अधिकारियों और महत्वपूर्ण क्षेत्र के संगठनों के लिए **राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा घटना प्रतिक्रिया अभ्यास (NCX इंडिया)** का आयोजन किया।

- राष्ट्रीय साइबर अभ्यास (NCX) इंडिया का आयोजन दस दिनों की अवधि यानि 18 से 29 अप्रैल 2022 तक एक हाइब्रिड अभ्यास के रूप में किया जा रहा है।

प्रमुख बिंदु

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा घटना प्रतिक्रिया अभ्यास (NCX इंडिया) के बारे:

- कार्यक्रम का संचालन, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (NSCS), भारत सरकार द्वारा ज्ञान भागीदार के रूप में भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद (DSCI) के सहयोग से तथा रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के समर्थन से किया जा रहा है।
- प्रशिक्षण के लिए प्लेटफार्म साइबरएक्सर टेक्नोलॉजीज द्वारा प्रदान किया जा रहा है, जो एस्तोनिया की साइबर सुरक्षा कंपनी है और इसे विश्व स्तर पर कई बड़े साइबर अभ्यास आयोजित करने की मान्यता मिली हुई है।
- प्रतिभागियों को प्रमुख साइबर सुरक्षा क्षेत्रों जैसे घुसपैठ का पता लगाने की तकनीक, वायरस (मैलवेयर) सूचना साझाकरण प्लेटफॉर्म (MISP), जोखिम प्रबंधन और प्रवेश परीक्षण, नेटवर्क प्रोटोकॉल और डेटा प्रवाह, डिजिटल फोरेंसिक, आदि के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

साइबर सुरक्षा पहल:

- राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र
- साइबर सुरक्षित भारत पहल
- साइबर स्वच्छता केंद्र
- सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000
- भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र

स्रोत: PIB

4. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज: COVID-19 से लड़ने वाले स्वास्थ्य कर्मियों के लिए बीमा योजना

चर्चा में क्यों?

- **'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज (PMGKP), COVID-19 से लड़ने वाले स्वास्थ्य कर्मियों के लिए बीमा योजना'** की अवधि 19 अप्रैल, 2022 से 180 दिन और बढ़ा दी गई है।

प्रमुख बिंदु

- इस बीमा पॉलिसी की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है ताकि उन स्वास्थ्य कर्मियों के आश्रितों के लिए सुरक्षा कवच उपलब्ध कराना जारी रखा जा सके जो COVID-19 रोगियों की देखभाल के लिए प्रतिनियुक्त हैं।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज (PMGKP) के बारे में:

- PMGKP को 30 मार्च, 2020 को सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मियों और निजी स्वास्थ्य कर्मियों सहित उन 22.12 लाख स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं को 50 लाख रुपये का व्यापक व्यक्तिगत दुर्घटना कवर प्रदान करने के लिए लॉन्च किया गया था, जो COVID-19 रोगियों की देखभाल कर रहे हैं और सीधे संपर्क में रहे हैं तथा जिन्हें COVID-19 से प्रभावित होने का खतरा हो सकता है।
- इसके अलावा अप्रत्याशित स्थिति के कारण राज्यों/केंद्रीय अस्पतालों/केंद्र/राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के स्वायत्त अस्पतालों, AIIMS और राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों/अस्पतालों COVID-19 रोगियों की देखभाल के लिए केंद्रीय मंत्रालयों के अस्पतालों द्वारा विशेष रूप से तैयार अस्पतालों द्वारा अधिग्रहण किए गए निजी अस्पताल के कर्मचारी/सेवानिवृत्त/स्वयंसेवक/स्थानीय शहरी निकाय/अनुबंध/दैनिक वेतन/एडोक/आउटसोर्स स्टाफ भी PMGKP के अंतर्गत आते हैं।
- योजना के शुभारंभ के बाद से अब तक उन 1905 स्वास्थ्य कर्मियों के दावों का निपटारा किया जा चुका है, जिनकी COVID संबंधित कार्यों के लिए तैनात किए जाने के दौरान मृत्यु हो गई थी।

नोट: इससे पहले, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY)** को और 6 महीने के लिए सितंबर 2022 तक बढ़ा दिया था।

स्रोत: PIB

Important News: Economy

5. IMF ने भारत की FY23 GDP वृद्धि का अनुमान पहले के 9% से घटाकर 8.2% कर दिया

चर्चा में क्यों?

- **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** ने हाल ही में जारी अपनी नवीनतम **विश्व आर्थिक आउटलुक रिपोर्ट** में, भारत के वित्त वर्ष 2023 के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि के लिए अपने पूर्वानुमान को 9 प्रतिशत से घटाकर 8.2 प्रतिशत कर दिया है।

प्रमुख बिंदु

- IMF ने कैलेंडर वर्ष 2022 के लिए अपने वैश्विक विकास दृष्टिकोण को भी 4.4 प्रतिशत से घटाकर 3.6 प्रतिशत कर दिया है, यह कहते हुए कि वैश्विक आर्थिक संभावनाएं कमोडिटी की कीमतों में अस्थिरता और यूरोप में युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण काफी खराब हो गई हैं।

नोट: इससे पहले, विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 22-23 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद के अनुमान में 8 प्रतिशत की कटौती की है। इस बीच, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने भी वित्त वर्ष 22-23 के लिए भारत के विकास अनुमान में 7.2 प्रतिशत की तेजी से कटौती की है, जबकि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान में कहा गया था कि सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 8.9 प्रतिशत होगी।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के बारे में तथ्य:

- **स्थापना:** 27 दिसंबर 1945
- **मुख्यालय:** वाशिंगटन, DC, US
- **सदस्यता:** 190 देश
- **प्रबंध निदेशक:** क्रिस्टालिना जॉर्जीवा
- **प्रथम उप प्रबंध निदेशक:** गीता गोपीनाथ

स्रोत: TOI

6. LIC में 20% FDI की अनुमति देने के लिए सरकार ने FEMA नियमों में संशोधन किया

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने **विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA)** के नियमों में संशोधन किया है, जिससे बीमा दिग्गज **LIC** में 20 प्रतिशत तक **FDI (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश)** का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- सरकार इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO) के जरिए LIC में अपनी हिस्सेदारी कम करने की योजना बना रही है।
- LIC ने फरवरी, 2022 में IPO के लिए बाजार नियामक SEBI के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) दायर किया था।

- कैबिनेट की मंजूरी के बाद, 14 मार्च, 2022 को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) ने मेगा पब्लिक ऑफर से पहले LIC में विदेशी निवेश की सुविधा के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति में संशोधन किया था।
- FDI नीति में बदलाव सहित एक प्रेस नोट के माध्यम से जारी DPIIT के प्रावधानों को लागू करने के लिए FEMA अधिसूचना की आवश्यकता थी, जो बड़े विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को LIC के शेयरों की सदस्यता लेने की अनुमति देगा।
- इन नियमों को विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर-ऋण लिखत) (संशोधन) नियम, 2022 कहा जा सकता है।
- अधिसूचना में मौजूदा नीति में एक अनुच्छेद डाला गया है, जिसमें LIC में स्वचालित मार्ग से 20 प्रतिशत तक FDI की अनुमति है।
- LIC में विदेशी निवेश समय-समय पर संशोधित जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956, (LIC अधिनियम) के प्रावधानों और बीमा अधिनियम, 1938 के ऐसे प्रावधानों के अधीन होगा, जो समय-समय पर संशोधित होते हैं, जैसा कि LIC में लागू होते हैं।

विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) के बारे में:

- FEMA भारत की संसद का एक अधिनियम है "बाहरी व्यापार और भुगतान को सुविधाजनक बनाने और भारत में विदेशी मुद्रा बाजार के व्यवस्थित विकास और रखरखाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विदेशी मुद्रा से संबंधित कानून को समेकित और संशोधित करने के लिए"।
- इसे 1999 में विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (FERA) की जगह संसद में पारित किया गया था।
- इसने विश्व व्यापार संगठन (WTO) के उभरते ढांचे के अनुरूप एक नई विदेशी मुद्रा प्रबंधन व्यवस्था को सक्षम किया।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

Important News: State

7. दृष्टिबाधित लोगों के लिए भारत का पहला रेडियो चैनल 'रेडियो अक्ष' महाराष्ट्र में लॉन्च हुआ

चर्चा में क्यों?

- दृष्टिबाधित लोगों के लिए देश का पहला रेडियो चैनल, जिसका नाम **'रेडियो अक्ष'** है, महाराष्ट्र के नागपुर में लॉन्च किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- इसे ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन नागपुर और समदृष्टि क्षमता विकास अवम अनुसंधान मंडल (सक्षम) की मदद से लॉन्च किया गया है।
- यह अवधारणा दृष्टिहीन लोगों को उनके डिजिटल उपकरणों पर उपलब्ध कराई गई ऑडियोबुक के विकल्प के रूप में बनाई गई थी, जिसकी पहुंच COVID-19 महामारी के कारण यात्रा पर प्रतिबंध के कारण दूर हो गई थी।

स्रोत: TOI

Important News: Science

8. भारतीय वैज्ञानिकों ने COVID-19 के लिए प्लाज्मा-आधारित परिशोधक विकसित किया

चर्चा में क्यों?

- भारतीय वैज्ञानिकों ने **शीत वायुमंडलीय दबाव प्लाज्मा (CAP)** की मदद से उत्पन्न प्लाज्मा-आधारित एक कीटाणुनाशक विकसित किया है जो COVID-19 के लिए एक हरे रंग के परिशोधक के रूप में कार्य कर सकता है।

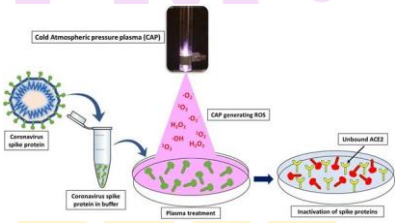

प्रमुख बिंदु

- असम के गुवाहाटी स्थित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उच्च अध्ययन संस्थान (IASST), भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत स्वायत्त संस्थान, के जीव विज्ञान और भौतिक विज्ञान प्रभागों के वैज्ञानिकों की एक टीम ने प्रदर्शित किया है कि शीत वायुमंडलीय दबाव द्वारा उत्पन्न प्लाज्मा में SARS-CoV-2 स्पाइक प्रोटीन को निष्क्रिय करने की क्षमता है, जो वायरल संक्रमण और बाद में COVID-19 को प्रेरित करने के लिए मानव ACE-2 रिसेप्टर यानी अभिग्राहक को जमा देता है अर्थात उसे जकड़ लेता है।
- **प्लाज्मा,** पदार्थ की चौथी अवस्था है जो प्रयोगशाला में नियंत्रित परिस्थितियों में उत्पादित होने पर ब्रह्मांड का अधिकांश भाग बनाती है और इसे **शीत वायुमंडलीय दबाव प्लाज्मा (CAP)** कहा जाता है।
- RSC (रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री) एडवांस के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में हाल ही में प्रकाशित इस शोध से पता चलता है कि प्लाज्मा में उत्पन्न अल्पकालिक अत्यधिक प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन और नाइट्रोजन प्रजातियां (ROS/RNS) ने CAP उपचार के 2 मिनट के भीतर SARS-CoV-2 स्पाइक प्रोटीन को पूरी तरह से निष्क्रिय कर देता है।

- RT-PCR विश्लेषण ने यह भी स्थापित किया है कि CAP SARS-CoV-2 वायरस के RNA को निष्क्रिय कर सकता है।

स्रोत: बिजनेस टुडे